Expenditure on Potteru Irrigation Project, Dandakaranya

2496. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) the amount so far spent on Potteru Irrigation Project of Dandakaranya Project of Koraput, Orissa by his Ministry;

(b) lands to be irrigated by this Irrigation project and reclamation of the land undertaken by the Development Authority so far;

(c) lands so far distributed to the rehabilitated persons and to the local tribals for the purpose to cultivation; and

(d) extent of cultivable lands available below the Potteru dam and the efforts made by the Government of Orissa for distribution of lands to the needy tribals of the district?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASNT SATHE): (a) An amount of Rs. 17.16 crores has so far been released by the Government of India to the Government of Orissa for meeting the expenditure on the Potteru Irrigation Project.

(b) The Potteru Irrigation Project has a culturable command area of 1,50,000 acres. The Dandakaranya Development Authority have so far reclaimed 13.726 acres in the Potteru command.

(c) Out of 13,726 acres of land reclaimed so far, 11,036 acres have been utilised for resettlement of displaced persons, 1,203 acres have been handed over to the Government of Orissa for resettlement of tribals.

(d) According to an estimation made by the Government of Orissa in 1973, out of the culturable command area of 1,50,000 acres, 78,000 acres were already under cultivation and 72,000 acres of culturable waste lands including forests were available for development, out of which 56,000 acres to be released for the resettlement of displaced persons (40,000 acres) and tribals (16,000 acres).

आकाशवाणी और दूरदर्शन में प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव

2497. श्री रामायण राय : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आकाशवाणी और दूरदर्शन में कार्यरत प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव कितने समय पश्चात् अपने संवर्ग में पदोन्नति के हकदार हो जाते हैं ;

(ख) प्रस्तुतकर्त्ता (प्रोड्यूसर) कितने वर्षों के बाद पदोन्नति का हकदार हो जाता है, और पिछले वर्ष के दौरान कितने प्रोड्यूसरों को अगला उच्च ग्रेड अथवा पदोन्नति दी गई है;

(ग) क्या सरकार का कार्यक्रम विशेषज्ञों के लिए एक संवर्ग बनाने तथा उनमें से प्रत्यक को नियमों के अनुसार पदोन्नति देने का विचार है ; और

(घ) यदि हां, तो ऐसा कब तक किए जाने की सम्भावना है और यदि नहीं, तो विशेषज्ञों को पदोन्नति न दिए जाने के क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा) : (क) भर्ती नियमों के अनुसार, ग्रेड में पांच वर्ष की स्वीकृत सेवा वाले प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव आकाशवाणी दूरदर्शन के सहायक केन्द्र निदेशक के अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति हेतु विचार किए जाने के पात्र हैं ;

(ख) भर्ती नियमों के अनुसार, आकाशवाणी में संविदा पर काम करने वाले प्रोड्यूसर, जिनकी ग्रेड में 12 वर्ष की सेवा हो, उप मुख्य प्रोड्यूसर के पद पर जब रिक्तियां हों, सीमित चयन के द्वारा पदोन्नति के लिए विचारणीय हैं। आकाशवाणी में गत छः वर्षों अर्थात् दिसम्बर, 1973 से 1979 तक, 6 प्रोड्यूसरों को उप मुख्य प्रोड्यूसर के पद पर पदोन्नत किया गया है।

(ग) और (घ). आकाशवाणी की कार्यक्रम और इंजीनियरी सेवाओं के संवर्ग ढांचे का अध्ययन करने के लिए सरकार ने 1977 में एक संवर्ग पुनरीक्षण समिति का गठन किया था। इस समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट की जांच की जा रही है।